

Acharya in Samkhya yoga code No (294)

Set No. 1

Question Booklet No.

00012

17P/270/17

(To be filled up by the candidate by blue/black ball-point pen)

Roll No.

--	--	--	--	--	--	--	--	--	--

Roll No. (Write the digits in words)

Serial No. of OMR Answer Sheet

Day and Date

२०१७

154

(Signature of Invigilator)

INSTRUCTIONS TO CANDIDATES

(Use only *blue/black ball-point pen* in the space above and on both sides of the Answer Sheet)

1. Within 30 minutes of the issue of the Question Booklet, check the Question Booklet to ensure that it contains all the pages in correct sequence and that no page/question is missing. In case of faulty Question Booklet bring it to the notice of the Superintendent/Invigilators immediately to obtain a fresh Question Booklet.
2. Do not bring any loose paper, written or blank, inside the Examination Hall *except the Admit Card without its envelope.*
3. *A separate Answer Sheet is given. It should not be folded or mutilated. A second Answer Sheet shall not be provided. Only the Answer Sheet will be evaluated.*
4. Write your Roll Number and Serial Number of the Answer Sheet by pen in the space provided above.
5. *On the front page of the Answer Sheet, write by pen your Roll Number in the space provided at the top and by darkening the circles at the bottom. Also, wherever applicable, write the Question Booklet Number and the Set Number in appropriate places.*
6. *No overwriting is allowed in the entries of Roll No., Question Booklet no. and Set no. (if any) on OMR sheet and Roll No. and OMR sheet no. on the Question Booklet.*
7. *Any change in the aforesaid entries is to be verified by the invigilator, otherwise it will be taken as unfair means.*
8. *Each question in this Booklet is followed by four alternative answers. For each question, you are to record the correct option on the Answer Sheet by darkening the appropriate circle in the corresponding row of the Answer Sheet, by pen as mentioned in the guidelines given on the first page of the Answer Sheet.*
9. For each question, darken only one circle on the Answer Sheet. If you darken more than one circle or darken a circle partially, the answer will be treated as incorrect.
10. *Note that the answer once filled in ink cannot be changed. If you do not wish to attempt a question, leave all the circles in the corresponding row blank (such question will be awarded zero marks).*
11. For rough work, use the inner back page of the title cover and the blank page at the end of this Booklet.
12. Deposit only *OMR Answer Sheet* at the end of the Test.
13. You are not permitted to leave the Examination Hall until the end of the Test.
14. If a candidate attempts to use any form of unfair means, he/she shall be liable to such punishment as the University may determine and impose on him/her.

Total No. of Printed Pages : 24

[उपर्युक्त निर्देश हिन्दी में अन्तिम आवरण पृष्ठ पर दिये गए हैं।]

131,

SEAL



collegedunia.com
India's largest Student Review Platform

17P/270/17

ROUGH WORK
रफ़ कार्य

121

Acharya in Sankhyayoga Code No, (294)

२०१७

17P/270/17

No. of Questions : 120

प्रश्नों की संख्या : 120

Time : 2 Hours

Full Marks : 360

समय : २ घण्टे

पूर्णाङ्क : 360

Note : (1) Attempt as many questions as you can. Each question carries 3 (Three) marks. **One mark will be deducted for each incorrect answer. Zero** mark will be awarded for each unattempted question.

अधिकाधिक प्रश्नों को हल करने का प्रयत्न करें। प्रत्येक प्रश्न 3 (तीन) अंकों का है। प्रत्येक गलत उत्तर के लिए एक अंक काटा जायेगा। प्रत्येक अनुत्तरित प्रश्न का प्राप्तांक शून्य होगा।

(2) If more than one alternative answers seem to be approximate to the correct answer, choose the closest one.

यदि एकाधिक वैकल्पिक उत्तर सही उत्तर के निकट प्रतीत हों, तो निकटतम सही उत्तर दें।

01. सांख्यकारिका केन विरचिता ?

- | | |
|---------------------|--------------------|
| (1) बादरायणेन | (2) ईश्वरकृष्णेन |
| (3) वाचस्पतिमिश्रेण | (4) गौडपादाचार्येण |

02. षष्ठितन्त्रं कस्य नाम आसीत् ?

- | | |
|--------------------|---------------------------|
| (1) योगदर्शनस्य | (2) सांख्यकारिकायाः |
| (3) सांख्यसूत्रस्य | (4) सांख्यतत्त्वकौमुद्याः |

17P/270/17

03. सांख्यकारिकायाः आदौ उक्तम् -

- (1) अथ सांख्यानशासनम्
- (2) दुःखत्रयाभिघाताज्जिज्ञासा तदपघातके हेतौ
- (3) अथ योगदर्शनम्
- (4) अथातो धर्मजिज्ञासा

04. प्रत्यक्षस्य किं लक्षणम् ?

- | | |
|--------------------|------------------------|
| (1) सामान्यज्ञानम् | (2) प्रतिविषयाध्यवसायः |
| (3) अनुमितिकरणम् | (4) आपतवाक्यम् |

05. सांख्यदर्शने कति प्रमाणानि सन्ति ?

- | | |
|-------------|------------|
| (1) एकम् | (2) त्रीणि |
| (3) चत्वारि | (4) पञ्च |

06. तल्लिङ्गलिङ्गिपूर्वकम् इत्यत्र तत्पदेन कस्य ग्रहणं भवति ?

- | | |
|------------------|---------------|
| (1) प्रत्यक्षस्य | (2) अनुमानस्य |
| (3) उपमानस्य | (4) शब्दस्य |

07. आध्यात्मिकं दुःखं कतिविधम् ?

- | | |
|---------------|---------------|
| (1) एकम् | (2) द्विविधम् |
| (3) त्रिविधम् | (4) पञ्चविधम् |

08. सांख्यदर्शने कः वादः स्वीकृतः ?

- | | |
|------------------|----------------|
| (1) संघातवादः | (2) विवर्तवादः |
| (3) सत्कार्यवादः | (4) ईश्वरवादः |

09. सांख्यदर्शनानुसारं पुरुषस्य स्वरूपं किम् ?
- (1) अनित्यत्वम् (2) जडत्वम्
(3) परिच्छिन्नत्वं (4) चैतन्यम्
10. ईश्वरः क्लेशकर्मविपाकाशयैरपरामृष्टः कः भवति ?
- (1) सिद्धयोगी (2) पुरुषविशेषः
(3) साधकः (4) अधिकारी
11. ईश्वरस्य वाचकः कः वर्तते ?
- (1) महात्मा (2) प्रणवः
(3) धर्मात्मा (4) सिद्धयोगी
12. वाचस्पतिमिश्रविरचितः सांख्यग्रन्थः वर्तते -
- (1) तत्त्ववैशारदी (2) सांख्यकारिका
(3) सांख्यतत्त्वकौमुदी (4) महाभारतम्
13. मूलप्रकृतिरविकृतिरित्यादिकारिकायां कति तत्त्वानि प्रोक्तानि ?
- (1) सप्त (2) दश
(3) षोडश (4) पञ्चविंशतिः
14. अहंकारः कीदृशः कथितः ?
- (1) अध्यवसायः (2) संकल्पः
(3) अभिमानः (4) निश्चय
15. कयोः संयोगः पङ्क्वन्धवत् सांख्यशास्त्रे प्रोक्तः ?
- (1) प्रकृतिमनसोः (2) प्रकृतिपुरुषयोः
(3) बुद्धिप्रकृतयोः (4) प्रकृत्यहङ्कारयोः

17P/270/17

16. तल्लिङ्गलिङ्गपूर्वकं कि प्रमाणं भवति ?
(1) प्रत्यक्षम् (2) अनुमानम्
(3) शब्दः (4) उपमानम्
17. संघातपरार्थत्वात् कस्य सिद्धिः भवति ?
(1) अहङ्कारस्य (2) पुरुषस्य
(3) प्रकृतेः (4) महतः
18. कर्तृत्वं कस्य धर्मः ?
(1) पुरुषस्य (2) प्रकृतेः
(3) महतः (4) अहङ्कारस्य
19. करणं कतिविधं भवति ?
(1) सप्तविधम् (2) त्रयोदशविधम्
(3) पञ्चदशविधम् (4) त्रिविधम्
20. दुःखं कतिविधं सांख्ये अभिमतम् ?
(1) एकविधम् (2) द्विविधम्
(3) त्रिविधम् (4) चतुर्विधम्
21. उत्पत्तेः प्राक् कार्यं सांख्ये कीदृशं भवति ?
(1) सत् (2) असत्
(3) शून्यम् (4) परिणामि
22. ब्रह्मचर्यप्रतिष्ठायां भवति -
(1) धनलाभं (2) मुक्तिः
(3) वीर्यलाभः (4) क्रोधः

23. सांख्यदर्शनं किमर्थं प्रणीतम् ?
- | | |
|-------------------------|--------------------|
| (1) दुःखत्रयविनाशाय | (2) पुरुषस्य लाभाय |
| (3) प्रकृतेः परिज्ञानाय | (4) अहङ्काराय |
24. सांख्यदर्शने कतिविकारः एवं प्रोक्तः ।
- | | |
|------------|-------------|
| (1) पञ्च | (2) दश |
| (3) षोडशकः | (4) विंशतिः |
25. सांख्यदर्शने अनुमानं भवति -
- | | |
|----------------|---------------|
| (1) द्विविधम् | (2) त्रिविधम् |
| (3) चतुर्विधम् | (4) पञ्चविधम् |
26. सांख्यदर्शने प्रियवियोगः कीदृशः दुःखं वर्तते ?
- | | |
|----------------|----------------|
| (1) शारीरिकम् | (2) मानसिकम् |
| (3) अधिदैविकम् | (4) आधिभौतिकम् |
27. मूल प्रकृतिः कीदृशी भवति ?
- | | |
|-------------|--------------|
| (1) विकृतिः | (2) अविकृतिः |
| (3) उभयरूपा | (4) अनित्या |
28. मनः कीदृशमधिप्रेतम् ?
- | | |
|-------------------|-------------------|
| (1) संकल्पात्मकम् | (2) निश्चयात्मकम् |
| (3) उभयरूपम् | (4) नोभयरूपम् |
29. सत्त्वगुणस्य किं लक्षणम् ?
- | | |
|-----------------|---------------|
| (1) आवरणकम् | (2) प्रकाशकम् |
| (3) उपष्टम्भकम् | (4) चलम् |

17P/270/17

30. सांख्यदर्शनस्य अपेक्षया अधिकः कः प्रमेयः योगे प्रोक्त ?
- | | |
|-------------|-------------|
| (1) पुरुषः | (2) ईश्वरः |
| (3) बुद्धिः | (4) अहंकारः |
31. सांख्ये पुरुषस्य कतिविधत्वम् उक्तम् ?
- | | |
|---------------|---------------|
| (1) एकत्वम् | (2) द्वित्वम् |
| (3) त्रित्वम् | (4) बहुत्वम् |
32. सांख्ये तन्मात्रं कतिविधं प्रोक्तम् ?
- | | |
|-------------|----------------|
| (1) एकविधम् | (2) द्विविधम् |
| (3) पञ्च | (4) चतुर्विधम् |
33. सत्त्वगुणात् किं जायते ?
- | | |
|-------------|----------|
| (1) प्रकाशः | (2) तमः |
| (3) अविद्या | (4) मोहः |
34. संघातपरार्थत्वात् किं साध्यते ?
- | | |
|-------------------------|--------------------------------|
| (1) मनसः अस्तित्वम् | (2) पुरुषस्य अस्तित्वम् |
| (3) प्रकृतेः अस्तित्वम् | (4) ज्ञानेन्द्रियाणामस्तित्वम् |
35. सतोऽपि वस्तुनः अनुपलब्धौ हेतुर्नास्ति -
- | | |
|-------------------------|--------------------|
| (1) सामीप्यात् | (2) मनोऽनवस्थानात् |
| (3) अयुगपत्प्रवृत्तेश्च | (4) व्यवधानात् |
36. प्रकृतेः कस्य उत्पत्तिः भवति ?
- | | |
|-----------------|---------------|
| (1) महतः | (2) अहंकारस्य |
| (3) तन्मात्रस्य | (4) पुरुषस्य |

37. पञ्चमहाभूतानामुत्पत्तिः कस्मात् भवति ?
 (1) पञ्चतन्मात्रेभ्यः (2) पञ्चज्ञानेन्द्रियेभ्यः
 (3) कर्मेन्द्रियेभ्यः (4) पुरुषात्
38. सांख्यदर्शनानुसारं श्रेयः कस्माद् भवति ?
 (1) व्यक्ताव्यक्तज्ञविज्ञानात् (2) तपसा
 (3) योगदर्शनात् (4) यज्ञात्
39. मूलप्रकृतिः का ?
 (1) चतुर्विंशतितत्त्वानां मूलम् (2) माया
 (3) तृष्णा (4) ज्ञानम्
40. महदाद्या प्रकृतिविकृतयः कति भवन्ति ?
 (1) त्रयः (2) पञ्च
 (3) षट् (4) सप्त
41. न प्रकृतिः न विकृति कः वर्तते ?
 (1) अभिमानः (2) पुरुषः
 (3) बुद्धिः (4) कर्मेन्द्रियम्
42. परोक्षस्य सिद्धिः कस्मात् भवति ?
 (1) प्रत्यक्षेण (2) अनुमानेन
 (3) आप्तवाक्येन (4) शास्त्रेण
43. सत्त्वगुणः भवति -
 (1) प्रकाशकः (2) मोहात्मकः
 (3) प्रवृत्तिजनकः (4) गुरुः

17P/270/17

44. रजोगुणः भवति -

- | | |
|----------------|---------------|
| (1) उपष्टम्भकः | (2) लघुः |
| (3) आवरणकः | (4) मोहात्मकः |

45. तमो गुणः वर्तते -

- | | |
|--------------|----------------|
| (1) प्रकाशकः | (2) मोहात्मकः |
| (3) चञ्चलः | (4) उपष्टम्भकः |

46. अहंकारस्य उत्पत्तिः कस्मात् भवति ?

- | | |
|----------------|---------------------|
| (1) महतः | (2) प्रकृतेः |
| (3) षोडशगणकात् | (4) पञ्चमहाभूतेभ्यः |

47. का बुद्धिः ?

- | | |
|--------------------|---------------|
| (1) अभिमानः | (2) अध्यवसायः |
| (3) मिथ्याः ज्ञानं | (4) मुक्तिः |

48. ज्ञानेन्द्रियाणि कति भवन्ति ?

- | | |
|-------------|------------|
| (1) द्वे | (2) त्रीणि |
| (3) चत्वारि | (4) पञ्च |

49. कर्मेन्द्रियाणि कति भवन्ति ?

- | | |
|-------------|----------|
| (1) चत्वारि | (2) पञ्च |
| (3) सप्त | (4) षट् |

50. जनमरणकरणानाम् इति कारिकायां पुरुषस्य किं संसाधितम् ?

- | | |
|----------------|------------------|
| (1) एकत्वम् | (2) बहुत्वम् |
| (3) नित्यत्वम् | (4) सर्वज्ञत्वम् |

51. प्रमेयसिद्धिः कस्मात् भवति ?

- | | |
|--------------------|---------------|
| (1) तत्त्वज्ञानात् | (2) प्रमाणात् |
| (3) संशयात् | (4) लक्षणात् |

52. जन्मकथन्तासम्बोधः कस्मात् भवति ?

- | | |
|------------------------|--------------|
| (1) अपरिग्रहस्थैर्यात् | (2) यमात् |
| (3) आसनात् | (4) ध्यानात् |

53. प्रकृतेः अनुपलब्धिः कथं भवति ?

- | | |
|------------------|--------------------|
| (1) अतिदूरात् | (2) सामीप्यात् |
| (3) सौक्ष्म्यात् | (4) इन्द्रियघातात् |

54. प्रकृतेः किं कार्यम् ?

- | | |
|---------------|--------------|
| (1) पुरुषः | (2) महदादि |
| (3) प्रमाणादि | (4) बन्धनादि |

55. असदकरणात् कस्य सिद्धः क्रियते ?

- | | |
|-----------------|-------------------|
| (1) सत्कार्यस्य | (2) असत्यकार्यस्य |
| (3) विवर्तस्य | (4) संघातस्य |

17P/270/17

56. द्रष्टृत्वं कस्य कृते सिद्धम् ?

- | | |
|--------------|---------------|
| (1) प्रकृतेः | (2) अहंकारस्य |
| (3) पुरुषस्य | (4) शरीरस्य |

57. कर्ता इव उदासीनः पुरुषः कथं भवति ?

- | | |
|--------------------------|---------------------------|
| (1) प्रकृतेः संयोगात् | (2) प्रकृतेः क्रियात्वात् |
| (3) प्रकृतेः नित्यत्वात् | (4) प्रकृतेः अज्ञत्वात् |

58. ज्ञाने बुद्धेः रूपं वर्तते-

- | | |
|-----------------|------------------|
| (1) सात्त्विकम् | (2) राजसम् |
| (3) तामसम् | (4) भ्रमात्माकम् |

59. वैकृतादहंकारात् जायते-

- | | |
|-----------------------|--------------|
| (1) सात्त्विक एकादशकः | (2) प्रकृतिः |
| (3) तामसमोहः | (4) अभिमानः |

60. उभयात्मकम् इन्द्रियं किं भवति ?

- | | |
|-----------|-------------|
| (1) मनः | (2) बुद्धिः |
| (3) चक्षु | (4) उपस्थम् |

61. अन्तःकरणं कतिविधं भवति ?

- | | |
|---------------|---------------|
| (1) द्विविधम् | (2) त्रिविधम् |
| (3) पञ्चविधम् | (4) सप्तविधम् |

62. प्रधानपुरुषान्तरं सूक्ष्मं का विशिनष्टि ?

- | | |
|-------------|-------------|
| (1) बुद्धिः | (2) अहंकारः |
| (3) मनः | (4) अभिमानः |

63. निराश्रयं लिङ्गं विना विशेषैः कीदृशं न तिष्ठति ?

- | | |
|---------------------------------|---------------------|
| (1) चित्रं यथा आश्रयमृते | (2) धनं विना सुखम् |
| (3) ज्ञानेन्द्रियं विना मोक्षम् | (4) वायुः विना तेजः |

64. ऊर्ध्वगमनं कस्मात् भवति ?

- | | |
|------------|-----------|
| (1) धर्मेण | (2) धनेन |
| (3) कर्मणा | (4) तेजसा |

65. बन्धः कस्मात् भवति ?

- | | |
|---------------|--------------|
| (1) अज्ञानात् | (2) पापात् |
| (3) दानात् | (4) ज्ञानात् |

66. संसारस्य प्राप्तिः कस्मात् भवति ?

- | | |
|----------------|-------------------|
| (1) द्वेषात् | (2) राजसाद्रागात् |
| (3) वैराग्यात् | (4) अज्ञानात् |

67. सिद्धिः कतिधा भवति ?

- | | |
|------------|------------|
| (1) पञ्चधा | (2) सप्तधा |
| (3) अष्टधा | (4) नवधा |

17P/270/17

68. रजोगुणः कुत्र तिष्ठति ?

- | | |
|------------|-------------|
| (1) ऊर्ध्व | (2) अधः |
| (3) मध्ये | (4) अन्यत्र |

69. प्रधानस्य प्रवृत्तिः कस्य कृते भवति ?

- | | |
|----------------------------|-------------------------|
| (1) पुरुषस्य विमोक्षार्थम् | (2) पुरुषस्य बन्धार्थम् |
| (3) पुरुषस्य अज्ञानार्थम् | (4) धनस्य लाभार्थम् |

70. कः बध्यते मुच्यते च ?

- | | |
|--------------|------------|
| (1) प्रकृतिः | (2) पुरुषः |
| (3) अहंकारः | (4) देहः |

71. कैवल्यं कः प्राप्नोति ?

- | | |
|----------------|-------------|
| (1) शरीरम् | (2) पुरुषः |
| (3) इन्द्रियम् | (4) अहंकारः |

72. कपिलमुनिः कस्मै सांख्यज्ञानं दत्तवान् ?

- | | |
|------------------|--------------------|
| (1) ईश्वरकृष्णाय | (2) आसुरये |
| (3) व्यासाय | (4) विज्ञानभिक्षवे |

73. सांख्यस्य प्रवर्तकः कः आसीत् ?

- | | |
|-------------|-------------|
| (1) पतञ्जलि | (2) कपिलः |
| (3) कणादः | (4) जैमिनिः |

74. तत्त्ववैशादीटीकायाः रचयिता कः ?

- | | |
|--------------------|-----------------|
| (1) वाचस्पतिमिश्रः | (2) वात्स्यायनः |
| (3) पतञ्जलिः | (4) व्यासः |

75. योगसूत्रभाष्यरचयिता कः ?

- | | |
|-----------------|--------------------|
| (1) पतञ्जलिः | (2) व्यासः |
| (3) वात्स्यायनः | (4) वाचस्पतिमिश्रः |

76. पातञ्जलयोगदर्शनस्य आदौ सूत्रं वर्तते -

- | | |
|--------------------------|-------------------------|
| (1) अथातो धर्मजिज्ञासा | (2) अथ योगानुशासनम् |
| (3) अथातो ब्रह्मजिज्ञासा | (4) प्रत्यक्षं प्रमाणम् |

77. योगः समाधिः केन उक्तम् ?

- | | |
|----------------|---------------------|
| (1) भोजेन | (2) वाचस्पतिना |
| (3) व्यासदेवेन | (4) विज्ञानभिक्षुणा |

78. व्यासदेवेन चित्तभूमयः कतिधा प्रोक्ताः ?

- | | |
|-------------|-----------|
| (1) एकम् | (2) त्रयः |
| (3) चत्वारः | (4) पञ्च |

79. पतञ्जलिना योगस्य लक्षणम् उक्तम् -

- | | |
|----------------------------|------------------------|
| (1) योगः संयोगः | (2) योगः कर्मसु कौशलम् |
| (3) योगश्चित्तवृत्तिनिरोधः | (4) योगः मोक्षप्रदः |

80. कति वृत्तयः भवन्ति ?

- | | |
|-----------|-------------|
| (1) त्रयः | (2) चत्वारः |
| (3) पञ्च | (4) षट् |

17P/270/17

81. योगदर्शने कति प्रमाणानि ?

- | | |
|-------------|------------|
| (1) द्वयं | (2) त्रीणि |
| (3) चत्वारि | (4) पञ्च |

82. विपर्ययस्य लक्षणं वर्तते -

- | | |
|----------------------------|---|
| (1) विपर्ययः यथार्थज्ञानम् | (2) विपर्ययो मिथ्याज्ञानमतद्रूपप्रतिष्ठम् |
| (3) निद्राज्ञानम् | (4) भ्रमः |

83. कति क्लेशाः भवन्ति ?

- | | |
|-----------|----------|
| (1) त्रयः | (2) पञ्च |
| (3) षट् | (4) नव |

84. निद्रायाः लक्षणं वर्तते -

- | | |
|------------------------------|--------------------------------|
| (1) भ्रमात्मकं ज्ञानं निद्रा | (2) अभावप्रत्ययालम्बानावृत्तिः |
| (3) यथार्थज्ञानम् | (4) विपरीतं ज्ञानम् |

85. वृत्तीनां निरोधः कथं भवति ?

- | | |
|--------------|--------------------------|
| (1) श्रवणात् | (2) अभ्यासवैराग्याभ्याम् |
| (3) मननात् | (4) प्रणायामद्वारा |

86. अभ्यासस्य लक्षणं वर्तते -

- | | |
|-----------------------|------------------------------|
| (1) प्रयत्नम् अभ्यासः | (2) तत्र स्थितौ यत्नोऽभ्यासः |
| (3) प्रयासः अभ्यासः | (4) प्रतिदिनं कार्यम् |

87. भवप्रत्ययो कस्य भवति ?

- | | |
|-------------------------|------------------------|
| (1) विदेहप्रकृतिलयानाम् | (2) देहचिन्तामग्नानाम् |
| (3) ईश्वरे चिन्तकानाम् | (4) सुखानुभवयुक्तानाम् |

88. ईश्वरस्य लक्षणं वर्तते -

- (1) सर्वज्ञः ईश्वरः
- (2) क्लेशकर्मविपाकारायैरपरामृष्टः पुरुषविशेषः
- (3) मायाबलयुक्तः
- (4) शक्तिमान् ईश्वरः

89. ईश्वरो भवति-

- | | |
|-----------------------|-----------------------|
| (1) पूर्वेषामपि गुरुः | (2) छात्राणां शिक्षकः |
| (3) महापराक्रमी | (4) योद्धा |

90. अस्तेयप्रतिष्ठायां भवति -

- | | |
|-------------|-----------------------|
| (1) ज्ञानम् | (2) सर्वरत्नोपस्थानम् |
| (3) सिद्धिः | (4) बलम् |

91. के अन्तराया भवन्ति ?

- | | |
|------------|--------------------|
| (1) घनिकाः | (2) चित्तविक्षेपाः |
| (3) निद्रा | (4) लोभाः |

92. चित्तविक्षेपाः कति भवन्ति ?

- | | |
|-----------|----------|
| (1) त्रयः | (2) पञ्च |
| (3) नव | (4) दश |

93. सर्वप्राणिषु किं भावयेत् ?

- | | |
|--------------|---------------|
| (1) मैत्रीम् | (2) शत्रुताम् |
| (3) क्रोधम् | (4) मोहः |

17P/270/17

94. ज्योतिष्मती प्रज्ञा कथं भवति ?
(1) विशोका (2) ज्ञानवती
(3) वैराग्यवती (4) कामपूर्णा
95. समापत्तिः सवितर्का कथं भवति ?
(1) शब्दार्थज्ञानविकल्पैः सङ्कीर्णा (2) स्मृतिहीना
(3) शून्या (4) स्वरूपशून्या
96. समाहितचित्तस्य का प्रज्ञा जायते ?
(1) ऋतम्भरा (2) पुण्या
(3) सुखदा (4) मोहदा
97. तपः स्वाध्यायेश्वरप्रणिधानानि भवन्ति -
(1) ज्ञानयोगः (2) क्रियायोगः
(3) मोक्षयोगः (4) धनयोगः
98. क्रियायोगः किमर्थं कार्यः ?
(1) समाधिभावनार्थः क्लेशतनूकरणार्थश्च (2) स्वास्थ्यलाभार्थः
(3) ज्ञानप्राप्तये (4) चित्तवृत्तिनिरोधाय
99. क्लेशाः कति भवन्ति ?
(1) द्वौ (2) त्रयः
(3) पञ्च (4) षट्
100. योगसूत्रकारः कः आसीत् ?
(1) बादरायणः (2) पतञ्जलिः
(3) वायस्पतिमिश्रः (4) गौडपादाचार्यः

101. सप्तत्यां किल ये अर्थाः इत्यत्र 'सप्ततिः' का वर्तते ?

- | | |
|-------------------|------------------------|
| (1) योगदर्शनम् | (2) सांख्यकारिका |
| (3) सांख्यसूत्रम् | (4) सांख्यतत्त्वकौमुदी |

102. अहिंसाप्रतिष्ठायाम् भवति -

- | | |
|------------------|---------------|
| (1) सम्पत्तिलाभः | (2) वैरत्यागः |
| (3) सन्तोषः | (4) मोक्षः |

103. सांख्यदर्शने प्रमेयाः कति सन्ति ?

- | | |
|-------------|-----------------|
| (1) एकम् | (2) त्रीणि |
| (3) चत्वारि | (4) पञ्चविंशतिः |

104. योगदर्शने साधनपादः वर्तते -

- | | |
|------------|--------------|
| (1) प्रथमः | (2) द्वितीयः |
| (3) तृतीयः | (4) चतुर्थः |

105. योगस्य कति अङ्गानि भवन्ति ?

- | | |
|-------------|----------|
| (1) चत्वारि | (2) पञ्च |
| (3) अष्टौ | (4) नव |

106. आध्यात्मिकं दुःखं वर्तते -

- | | |
|-----------------|--------------|
| (1) प्रियवियोगः | (2) सर्पदंशः |
| (3) शीतः | (4) तापः |

17P/270/17

107. द्वेषः कथं वर्णितः ?

- | | |
|----------------|----------------|
| (1) दुःखानुशयी | (2) सुखानुशयी |
| (3) धर्मानुशयी | (4) कामनानुशयी |

108. योगदर्शनस्य सूत्रकारः कः आसीत् ?

- | | |
|------------|--------------|
| (1) कपिलः | (2) पतञ्जलिः |
| (3) व्यासः | (4) गौतमः |

109. पातञ्जलयोगदर्शने कति पादाः सन्ति ?

- | | |
|-----------|-------------|
| (1) त्रयः | (2) चत्वारः |
| (3) पञ्च | (4) सप्त |

110. तदा द्रष्टुः कुत्रावस्थानम् ?

- | | |
|-------------|-------------|
| (1) स्वरूपे | (2) अहंकारे |
| (3) बुद्धौ | (4) प्रकृतौ |

111. योगसूत्रे कयोः संयोगः हेयहेतुरित्युक्तः ?

- | | |
|-------------------|---------------------|
| (1) रागद्वेषयोः | (2) द्रष्टृदृश्ययोः |
| (3) दर्शनदृश्ययोः | (4) सत्त्वपुरुषयोः |

112. केषां भवप्रत्ययो भवति ?

- | | |
|------------------------------|-----------------------|
| (1) केवलविदेहानां | (2) केवलप्रकृतिलयानां |
| (3) विदेहानां प्रकृतिलयानाम् | (4) न केषामपि |

113. द्रष्टुः स्वरूपऽवस्थानं कदा भवति ?
- | | |
|-----------------------|-----------------------|
| (1) विकल्पविरोधे | (2) चित्तवृत्तिनिरोधे |
| (3) चित्तवृत्तिविरोधे | (4) विकल्पसत्त्वे |
114. शब्दज्ञानानुपाती वस्तुशून्यः कः भवति ?
- | | |
|-------------|--------------|
| (1) विकल्पः | (2) प्रमाणम् |
| (3) निद्रा | (4) विपर्ययः |
115. क्लेशहेतुकाः वृत्तयः काः ?
- | | |
|---------------------|--------------------|
| (1) सर्वावृत्तयः | (2) क्लिष्टवृत्तयः |
| (3) अक्लिष्टवृत्तयः | (4) न का अपि |
116. "तज्जपस्तदर्थभावनम्" इति सूत्रे तज्जप इत्यत्र तत्पदवाच्यः कः ?
- | | |
|--------------|------------|
| (1) अहङ्कारः | (2) प्रणवः |
| (3) प्रकृतिः | (4) पुरुषः |
117. योगसूत्रे चित्तविक्षेपाः कति प्रतिपादिताः ?
- | | |
|----------|-----------|
| (1) अष्ट | (2) नव |
| (3) दश | (4) एकादश |
118. योगसूत्रे समाधिसिद्धिः भवति -
- | | |
|----------------------|---------------|
| (1) ईश्वरप्रणिधानात् | (2) आसनात् |
| (3) प्राणायामात् | (4) अभ्यासात् |
119. रागः कथं वर्णितः ?
- | | |
|----------------|--------------------|
| (1) दुःखानुशयी | (2) साधनानुशयी |
| (3) सुखानुशयी | (4) इन्द्रियानुशयी |

17P/270/17

120. योगमते परमार्थदृष्ट्या भोगापवर्गौ कस्य भवतः ?

- | | |
|--------------|---------------|
| (1) पुरुषस्य | (2) प्रधानस्य |
| (3) प्रकृतेः | (4) बुद्धेः |

17P/270/17

ROUGH WORK
रफ़ कार्य

23

P.T.O.

अभ्यर्थियों के लिए निर्देश

(इस पुस्तिका के प्रथम आवरण पृष्ठ पर तथा उत्तर-पत्र के दोनों पृष्ठों पर केवल नीली-काली बाल-प्वाइंट पेन से ही लिखें)

1. प्रश्न पुस्तिका मिलने के 30 मिनट के अन्दर ही देख लें कि प्रश्नपत्र में सभी पृष्ठ मौजूद हैं और कोई प्रश्न छूटा नहीं है। पुस्तिका दोषयुक्त पाये जाने पर इसकी सूचना तत्काल कक्ष-निरीक्षक को देकर सम्पूर्ण प्रश्नपत्र की दूसरी पुस्तिका प्राप्त कर लें।
2. परीक्षा भवन में लिफाफा रहित प्रवेश-पत्र के अतिरिक्त, लिखा या सादा कोई भी खुला कागज साथ में न लायें।
3. उत्तर-पत्र अलग से दिया गया है। इसे न तो मोड़ें और न ही विकृत करें। दूसरा उत्तर-पत्र नहीं दिया जायेगा। केवल उत्तर-पत्र का ही मूल्यांकन किया जायेगा।
4. अपना अनुक्रमांक तथा उत्तर-पत्र का क्रमांक प्रथम आवरण-पृष्ठ पर पेन से निर्धारित स्थान पर लिखें।
5. उत्तर-पत्र के प्रथम पृष्ठ पर पेन से अपना अनुक्रमांक निर्धारित स्थान पर लिखें तथा नीचे दिये वृत्तों को गाढ़ा कर दें। जहाँ-जहाँ आवश्यक हो वहाँ प्रश्न-पुस्तिका का क्रमांक तथा सेट का नम्बर उचित स्थानों पर लिखें।
6. ओ० एम० आर० पत्र पर अनुक्रमांक संख्या, प्रश्नपुस्तिका संख्या व सेट संख्या (यदि कोई हो) तथा प्रश्नपुस्तिका पर अनुक्रमांक और ओ० एम० आर० पत्र संख्या की प्रविष्टियों में उपरिलेखन की अनुमति नहीं है।
7. उपर्युक्त प्रविष्टियों में कोई भी परिवर्तन कक्ष निरीक्षक द्वारा प्रमाणित होना चाहिये अन्यथा यह एक अनुचित साधन का प्रयोग माना जायेगा।
8. प्रश्न-पुस्तिका में प्रत्येक प्रश्न के चार वैकल्पिक उत्तर दिये गये हैं। प्रत्येक प्रश्न के वैकल्पिक उत्तर के लिए आपको उत्तर-पत्र की सम्बन्धित पंक्ति के सामने दिये गये वृत्त को उत्तर-पत्र के प्रथम पृष्ठ पर दिये गये निर्देशों के अनुसार पेन से गाढ़ा करना है।
9. प्रत्येक प्रश्न के उत्तर के लिए केवल एक ही वृत्त को गाढ़ा करें। एक से अधिक वृत्तों को गाढ़ा करने पर अथवा एक वृत्त को अपूर्ण भरने पर वह उत्तर गलत माना जायेगा।
10. ध्यान दें कि एक बार स्याही द्वारा अंकित उत्तर बदला नहीं जा सकता है। यदि आप किसी प्रश्न का उत्तर नहीं देना चाहते हैं, तो संबंधित पंक्ति के सामने दिये गये सभी वृत्तों को खाली छोड़ दें। ऐसे प्रश्नों पर शून्य अंक दिये जायेंगे।
11. रफ कार्य के लिए प्रश्न-पुस्तिका के मुखपृष्ठ के अंदर वाला पृष्ठ तथा उत्तर-पुस्तिका के अंतिम पृष्ठ का प्रयोग करें।
12. परीक्षा के उपरान्त केवल ओ एम आर उत्तर-पत्र परीक्षा भवन में जमा कर दें।
13. परीक्षा समाप्त होने से पहले परीक्षा भवन से बाहर जाने की अनुमति नहीं होगी।
14. यदि कोई अभ्यर्थी परीक्षा में अनुचित साधनों का प्रयोग करता है, तो वह विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित दंड का/की, भागी होगा/होगी।

SEAI